

# जनविश्वास की बहाली से ही मजबूत होगा देश..!

यह अविश्वास किसी एक

सरकार, किसी एक वर्ष या दशक में पैदा नहीं हुआ है.

जनता की जरूरतों पर सत्ता, सरकार, संस्थाओं, लोकतंत्र के चारों स्तंभों ने अनेकों बार कुठाराघात किया है. इससे सरकार, जवाबदेही वाली संस्थाओं और जनमानस के बीच परस्पर तालमेल बिगड़ा है. जनता को मूलभूत जरूरतें जो उसका संवैधानिक अधिकार है, वह प्राप्त नहीं हो रही है.

किसी भी देश, समाज, संस्था अथवा परिवार की मजबूती का आधार आपसी विश्वास होता है. अगर बात देश की है तो फिर यह विश्वास सिर्फ किसी छोटे-बड़े समूह में नहीं

आमजन के रूप में जनविश्वास के रूप में देखा जाना चाहिए. आज जनता में अजीब किस्म की झटपटाहट है. शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के कामों में भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद से लेकर हर तरफ अफरा-तफरी मची है. एक प्रकार से जनता का विश्वास डिग रहा है. इस विश्वास की बहाली अवश्यभावी है. सरकार, समाज और संस्थाओं के बीच निर्मित विश्वास से ही विकास की नींव मजबूत होती है. आज यह



विश्वास डगमगा रहा है. इसको लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी चिंता जाहिर की है. आमजन को शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो यह उसका संवैधानिक अधिकार है. यह सुविधा देना सरकार का परम कर्तव्य है. देश की 140 करोड़ की आबादी में से करीब 90 प्रतिशत से अधिक आबादी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, दैनिकी

लेकर आने वाली परेशानी व सरकारी कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार तथा भाई भतीजावाद से परेशान है. इस कारण अविश्वास का यह संकट आबादी के इस बड़े अंतर में नजर आता है. यही संकट जनविश्वास को कमजोर कर रहा है.

यह अविश्वास किसी एक सरकार, किसी एक वर्ष या दशक में पैदा नहीं हुआ है.

कार्यों को जनता की जरूरतों पर सत्ता, सरकार, संस्थाओं, लोकतंत्र के

मतभेद भुलाकर, असहमति का सम्मान करते हुए देश मजबूत कैसे हो इस दिशा में सोचने और काम करने की जरूरत है. यह सामूहिक प्रयासों से संभव है. इसी से विश्वास की बहाली होगी. मतभेद को दूर करने के लिये काम होना चाहिए, मतभेद को दुश्मनी मानने से काम नहीं चलेगा. देश की 140 करोड़ की आबादी में से करीब 90 प्रतिशत से अधिक आबादी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, दैनिकी कार्यों को लेकर आने वाली परेशानी व सरकारी कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार तथा भाई भतीजावाद से परेशान है. इस कारण अविश्वास का यह संकट आबादी के इस बड़े अंतर में नजर आता है. यही संकट जनविश्वास को कमजोर कर रहा है.

चारों स्तंभों ने अनेकों बार कुठाराघात किया है. इससे सरकार, जवाबदेही वाली संस्थाओं और जनमानस के बीच परस्पर तालमेल बिगड़ा है. जनता को मूलभूत जरूरतें जो उसका संवैधानिक अधिकार है, वह प्राप्त नहीं हो रही है.

यहीं कारण है कि संघ प्रमुख को सार्वजनिक रूप से यह कहना पड़ा है कि आज

शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा आम लोगों को पहुंच से दूर हो गई है. इन सुविधाओं ने

व्यवसायिक रूप ले लिया है. मप्र, उप्र सहित कई राज्यों में सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं. पढ़ाई का स्तर गढ़बड़ाने, स्कूल भवनों की जर्जर स्थिति, शिक्षकों व सुविधाओं के अभाव में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या न्यूनतम हो गई है. जबकि निजी स्कूलों की शिक्षा मंहगी हो रही है. ऐसे में गरीबों के बच्चों की शिक्षा पर प्रश्नचिह्न लग रहा है. स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी स्थिति किसी से छुपी नहीं है. सरकार ने योजनाओं के माध्यम से निःशुल्क उपचार की व्यवस्था की है लेकिन इसका पालन कितना हो रहा है यह मरीज और उसके परिवार बता सकते हैं. अस्पताल लूट के केन्द्र बन गए हैं. अस्पताल प्रबंधन मरीज और उसके परिवार की भावनाओं से हर पल खेलते नजर आते हैं.

कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका, मीडिया का फोकस जनसुविधा रहता है लेकिन इसमें दिखावा अधिक होता है. आज की परिस्थितियों को लेकर जनता में लोकतंत्र के चारों स्तंभों के प्रति भरोसा डिगा है. अंतिम उम्मीदों का केन्द्र माने जाने वाली न्यायपालिका की भूमिका भी संदेहास्पद हुई है. जिस प्रकार से न्यायव्यवस्था के निर्णय आ रहे हैं, जजों के आचरण सामने आ रहे हैं उससे इनके प्रति आस्था

डिगने लगी है.

गोविंद बड़ोने  
रीजनल हेड, नवभारत



चारों स्तंभों की कार्यप्रणाली से जनता के दिलों दिमाख में एक विचलन, बैचेनी, झटपटाहट जैसी स्थिति है. आजादी की स्थिति से, संस्थाओं से अविश्वास बढ़ा है. इस विश्वास की बहाली से ही देश सशक्त, मजबूत और विदेशी ताकतों से लड़ने ही नहीं उनसे विजय प्राप्त करने में अव्वल होगा. विश्वास की बहाली को लेकर सभी को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है. 140 करोड़ के देश में हमारे आपसी मतभेद हो सकते हैं. अलग-अलग भाषा, प्रांत, परिस्थिति के अनेकों कारणों से मतभेद संभव है. जब चार लोगों के परिवार में मतभेद हो सकते हैं तो इतने बड़े देश में मतभेद भी अवश्यभावी है. क्यों नहीं हो सकते. मतभेद होने के बावजूद भी मतभिन्नता का उपयोग परिवार को मजबूत बनाने के लिये होता है. मतभेद भुलाकर, असहमति का सम्मान करते हुए देश मजबूत कैसे हो इस दिशा में सोचने और काम करने की जरूरत है. यह सामूहिक प्रयासों से संभव है. इसी से विश्वास की बहाली होगी. मतभेद को दूर करने के लिये काम होना चाहिए, मतभेद को दुश्मनी मानने से काम नहीं चलेगा.

सौ.बी.एस.ई.नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त सारंगपुर शहर का एक मात्र स्कूल होस्टल सुविधा के साथ घर से दूर एक घर

**SHRI SATYA SAI SENIOR SECONDARY SCHOOL**  
BOARDING | DAYBOARDING | DAY SCHOLAR

शुनठरी अवसर

1st April 2025: 26  
**ADMISSION + OPEN**

Class NURSERY to 12<sup>th</sup>

होस्टल सुविधा के साथ घर से दूर एक घर

(सारंगपुर शहर का पठना क्रिकेट एकेडमी स्कूल)

11<sup>th</sup>, 12<sup>th</sup> best faculty के साथ (Maths, Biology, Commerce, Humanities (ARTS))

न्यूनतम फीस में सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करने वाला श्रेष्ठ CBSE विद्यालय

6263134067, 7000952046

Padliya Road, Balodi Jod, Sarangpur Dist. Rajgarh (m.p.)  
ssaiconventschool@gmail.com www.sssc sarangpur.com

सौ.बी.एस.ई.नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त रजि. नं. 1030839

आपके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य हेतु

**फ्यूचर इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल**

प्रवेश प्रारम्भ  
कक्षा नर्सरी से 12<sup>वीं</sup>  
वाणिज्य | गणित | जीव विज्ञान

विशेषताएँ

- सर्वसुविधायुक्त बिल्डिंग, वायु-फाई
- स्मार्ट क्लास सुविधा के साथ
- गतिविधि आधारित शिक्षा पद्धति
- आधुनिक एवं हवादार कक्ष
- सुसम्पन्न पुस्तकालय
- योग्य, अनुभवी एवं प्रशिक्षित शिक्षक
- विविध आउट डोर एवं इंडोर खेलकूद सुविधा
- सुरक्षित वाहन सुविधा
- शुद्ध एवं प्रदूषण मुक्त प्राकृतिक वातावरण
- सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियाँ
- डांस व म्यूजिक की विशेष कक्षाएँ
- सी.सी.टी.वी. से सतत निगरानी
- सर्वसुविधायुक्त कम्प्यूटर लैब एवं विज्ञान प्रयोगशाला

कपीलेश्वर महादेव के सामने पाडलिया रोड सारंगपुर जि. राजगढ़

7771823777

www.futureschoolsarangpur.com fips2014@hotmail.com

ब्रांचेस : युनिवर्सल एकेडमी हा.से.स्कूल, कनासिया \* युनिवर्सल एकेडमी, तराना

ब्यावरा पब्लिक स्कूल की ओर से

सभी विद्यार्थियों, नागरिकों, जिलेवासियों को

**स्वतंत्रता दिवस**

की

हार्दिक-हार्दिक

**शुभकामनाएं...**

**बधाईयां...**